Subject Code J-202

Seat No. | | | | | | | |

H

DATE : 17/06/2026

SUBJECT : HINDI (04)

Time : 11.00 - 2.00

DURATION : 3 Hours | TOTAL PAGES : 12 | TOTAL MARKS : 80

कृतिपत्रिका

कृतिपत्रिका के लिए सूचनाएँ :

(i) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य, विशेष अध्ययन तथा व्यावहारिक हिंदी की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(ii) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही उपयोग कीजिए।

(iii) सभी आकृतियों में उत्तर पेन से ही लिखना आवश्यक है।

(iv) व्याकरण विभाग में पूछी गई कृतियों के उत्तरों के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

विभाग - १. गद्य (अंक-२०)

कृति १ (अ) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (६)

शॉ की बात सच है पर यह सच्चाई एकांगी है। सत्य इतना ही नहीं है। पाप के पास चार शस्त्र हैं, जिनसे वह सुधारक के सत्य को जीतता या कम-से-कम असफल करता है। मैंने जीवन का जो थोड़ा-बहुत अध्ययन किया है, उसके अनुसार पाप के ये चार शस्त्र इस प्रकार हैं:-

उपेक्षा, निंदा, हत्या और श्रद्धा।

सुधारक पापों के विरुद्ध विद्रोह का झंडा बुलंद करता है तो पाप और उसका प्रतिनिधि पापी समाज उसकी उपेक्षा करता है, उसकी ओर ध्यान नहीं देता और कभी-कभी कुछ सुन भी लेता है तो सुनकर हँस देता है जैसे वह किसी पागल की बड़बड़ हो, प्रलाप हो। इन क्षणों में पाप का नारा होता है, ''अरे, छोड़ो इसे और अपना काम करो।''

सुधारक का सत्य उपेक्षा की इस रगड़ से कुछ तेज होता जाता है, उसके स्वर अब पहले से कुछ पैने हो जाते हैं और कुछ ऊँचे भी। अब समाज का पाप विवश हो जाता है कि

Scanned with OKEN Scanner

वह सुधारक की बात सुने। वह सुनता है और उसपर निंदा की बौछारें फेंकने लगता है। सुधारक, सत्य और समाज के पाप के बीच यह गालियों की दीवार खड़ी करने का प्रयत्न है। जीवन अनुभवों का साक्षी है कि सुधारक के जो जितना समीप है, वह उसका उतना ही बड़ा निंदक होता है। यही कारण है कि सुधारकों को प्राय: क्षेत्र बदलने पड़े हैं।

(i) कृति पूर्ण कीजिए : (२)

(१) पाप के चार हथियार हैं 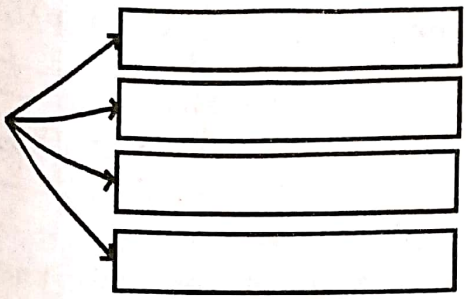

(ii) निम्नलिखित शब्द समूह के लिए एक शब्द परिच्छेद में से ढूँढ़कर लिखिए : (२)

(१) नजरअंदाज करना

(२) किसी के खिलाफ आंदोलन/विरोध करना

(३) समाज में सकारात्मक सुधार करने वाला

(४) निंदा करने वाला

(iii) 'समाज में व्याप्त बुराईयों को पूर्णत: समाप्त करना चाहिए।' इस पर अपना मत ४० से ५० शब्दों में लिखिए। (२)

(आ) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (६)

हमारे वायुमंडल में मौजूद ओजोन बाह्य अंतरिक्ष से आने वाली पराबैंगनी किरणों को अवशोषित कर लेती है और उन्हें धरती तक नहीं आने देती। यदि ये किरणें बेरोक-टोक धरती की सतह तक चली आएँ तो इनसान के साथ ही जीवमंडल के तमाम दूसरे जीव-जंतुओं को भारी नुकसान हो सकता है। इन पराबैंगनी किरणों से मनुष्यों में त्वचा के कैंसर से लेकर दूसरे अनेक तरह के रोग हो सकते हैं। जिस तरह रोजमर्रा के जीवन में सामान्य छतरी धूप और बरसात से हमारा बचाव करती है; उसी तरह वायुमंडल में स्थित ओजोन की परत हमें घातक किरणों से बचाती है।

इसीलिए प्राय: इसे 'ओजोन छतरी' के नाम से भी पुकारते हैं। सभ्यता के आदिम काल से यह छतरी जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों की रक्षा करती रही है और उसके तले सभ्यता

Scanned with OKEN Scanner

फलती-फूलती रही है। विकास की अंधी दौड़ में हमने संसाधनों का अंधाधुंध इस्तेमाल किया है। इस दौरान हमें इस बात का ध्यान प्राय: कम ही रहा है कि इसका दुष्प्रभाव क्या हो सकता है! आज परिणाम हम सबके सामने हैं। हमारे कारनामों से प्राकृतिक संतुलन चरमरा गया है। भूमंडल पर शायद ही ऐसी कोई चीज शेष हो जो हमारे क्रियाकलापों से प्रभावित न हुई हो। स्पष्ट है; ओजोन भी इसका अपवाद नहीं है।

(i) कृति पूर्ण कीजिए : (१)

(१) 'ओजोन छतरी' का योगदान:- (१) ☐

(२) ☐

(२) पराबैंगनी किरणों के दुष्परिणाम :- (१) ☐ (१)

(२) ☐

(ii) निम्नलिखित शब्दों के लिए परिच्छेद में आए पर्यायवाची शब्द लिखिए : (२)

(१) मनुष्य – ☐

(२) बीमारी – ☐

(३) वर्षा – ☐

(४) बाकी – ☐

(iii) 'पर्यावरण रक्षा में हमारा योगदान,' इस विषय पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए। (२)

(इ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग ८० से १०० शब्दों में लिखिए (कोई दो): (६)

(i) निराला जी का आतिथ्य भाव स्पष्ट कीजिए।

(ii) 'आदर्श बदला' कहानी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

(iii) 'मनुष्य के स्वार्थ के कारण रिश्तों में आई दूरी' कोखजाया पाठ के आधार पर अपना मंतव्य लिखिए।

(ई) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का मात्र एक वाक्य में उत्तर लिखिए (कोई दो): (२)

(i) सुदर्शन जी का मूल नाम —

(ii) लेखक कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' जी की भाषाशैली —

Scanned with OKEN Scanner

(iii) 'कोखजाया' कहानी के हिंदी अनुवादक का नाम –

(iv) आशारानी व्होरा जी की रचनाएँ –

विभाग - २. पद्य (अंक-२०)

कृति २ (अ) निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (६)

नानक गुरु न चेतनी मनि आपणे सुचेत।

छूते तिल बुआड़ जिऊ सुएं अंदर खेत।।

खेते अंदर छुट्टया कहु नानक सऊ नाह।

फली अहि फूली अहि बपुड़े भी तन विच स्वाह।।

जलि मोह घसि मसि करि,

मति कागद करि सारु,

भाइ कलम करि चितु, लेखारि,

गुरु पुछि लिखु बीचारि,

लिखु नाम सालाह लिखु,

लिखु अंत न पारावार ।।

(i) संजाल पूर्ण कीजिए : (२)

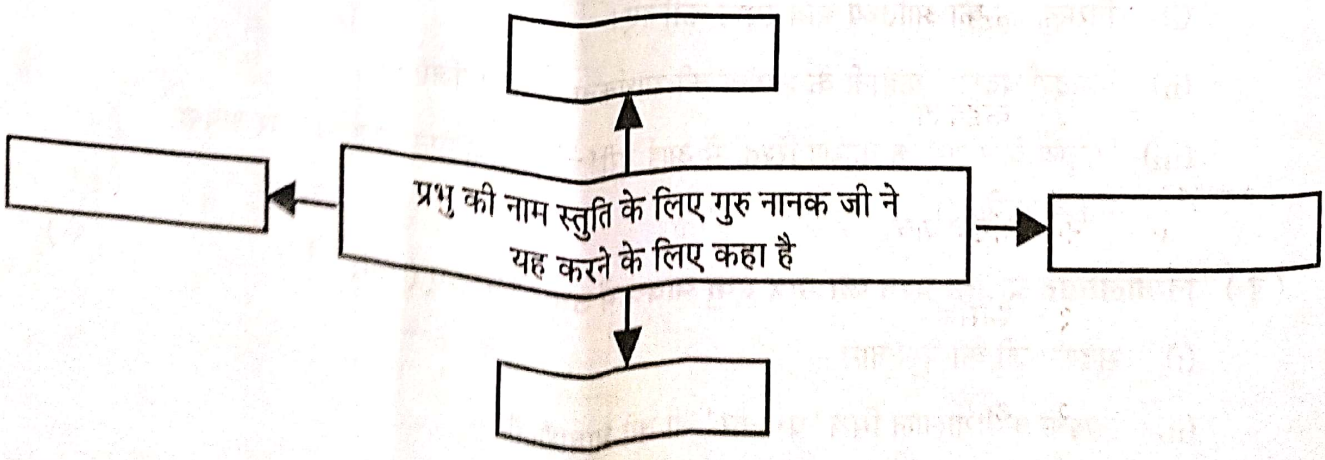

Scanned with OKEN Scanner

(ii) निम्नलिखित शब्दों के लिए पद्यांश में प्रयुक्त समानार्थी शब्द लिखिए : (२)

(१) बुद्धि –

(२) स्याही –

(३) लालच –

(४) लेखनी –

(iii) 'गुरु बिन ज्ञान न होई' उक्ति पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए। (२)

(आ) निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (६)

जब भी पानी किसी के सर से गुजर जाएगा।
तब वह सीने में नई आग ही लगाएगा।
आँखों में बहुत बाढ़ है, शेष सब कुशल।
जीवन नहीं अषाढ़ है, फिर शेष सब कुशल।
सड़क ने जब मेरे पैरों की उँगलियाँ देखीं ;
कड़कती धूप में सीने पे बिजलियाँ देखीं।
साँस हमारी हमें पराये धन-सी लगती है,
साहूकार के घर गिरवी कंगन-सी लगती है।

(i) कृति पूर्ण कीजिए। (२)
निम्नलिखित पंक्तियों को पूर्ण कीजिए:

(१) साँस हमारी हमें .....

(२) सड़क ने जब मेरे .....

(३) आँखों में बहुत बाढ़ है .....

(४) कड़कती धूप में .....

(ii) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलिए: (२)

(१) साँसें –

(२) आँखें –

Scanned with OKEN Scanner

(३) उँगली —

(४) बिजली —

(iii) 'जीवन में कभी हार नहीं माननी चाहिए' इस विषय पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए। (२)

(इ) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर ''पेड़ होने का अर्थ'' कविता का रसास्वादन कीजिए : (६)

(i) रचनाकार का नाम — (१)

(ii) पसंद की पंक्तियाँ — (१)

(iii) पसंद आने के कारण — (२)

(iv) कविता का केंद्रीय भाव — (२)

अथवा

'आँसुओं को पोंछकर अपनी क्षमताओं को पहचानना ही जीवन है,' इस सच्चाई को समझाते हुए 'सच हम नहीं सच तुम नहीं' कविता का रसास्वादन कीजिए।

(ई) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का केवल एक वाक्य में उत्तर लिखिए (कोई दो) : (२)

(i) 'कवि डॉ. जगदीश गुप्त की प्रमुख साहित्यिक कृतियों के नाम —

(ii) वृंद जी की प्रमुख रचनाएँ —

(iii) 'गजल' इस भाषा का लोकप्रिय काव्य प्रकार है —

(iv) लोकगीतों के दो प्रकार —

विभाग - ३. विशेष अध्ययन (अंक-१०)

कृति ३ (अ) निम्नलिखित काव्य पंक्तियाँ पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (६)

घाट से आते हुए
कदंब के नीचे खड़े कनु को
ध्यानमग्न देवता समझ, प्रणाम करने
जिस राह से तू लौटती थी बावरी
आज उस राह से न लौट

Scanned with OKEN Scanner

उजड़े हुए कुंज
रौंदी हुई लताएँ
आकाश पर छाई हुई धूल
क्या तुझे यह नहीं बता रही
कि आज उस राह से
कृष्ण की अठारह अक्षौहिणी सेनाएँ
युद्ध में भाग लेने जा रही हैं!
आज उस पथ से अलग हटकर खड़ी हो
बावरी!
लताकुंज की ओट
छिपा ले अपने आहत प्यार को

(i) कृति पूर्ण कीजिए : (२)

कनुप्रिया को उस राह से न लौटने की सलाह देने के कारण

(१) ☐

(२) ☐

(३) ☐

(४) ☐

(ii) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द पद्यांश में से ढूँढ़कर लिखिए: (२)

(१) ऊपर × ☐

(२) दानव × ☐

(३) धरती × ☐

(४) नफरत × ☐

(iii) 'वृक्ष की उपयोगिता' इस विषय पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए। (२)

Scanned with OKEN Scanner

(आ) निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग ८० से १०० शब्दों में लिखिए : (४)

(i) राधा की दृष्टि से जीवन की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

(ii) 'कवि ने राधा के माध्यम से आधुनिक मानव की व्यथा को शब्दबद्ध किया है,' इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

विभाग - ४. व्यावहारिक हिंदी, अपठित गद्यांश एवं पारिभाषिक शब्दावली (अंक-२०)

कृति ४ (अ) निम्नलिखित का उत्तर लगभग १०० से १२० शब्दों में लिखिए :

(1) प्रकाश उत्पन्न करने वाले जीवों द्वारा प्रकाश उत्पन्न करने के उद्देश्यों की जानकारी दीजिए। (६)

अथवा

परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए :

ब्लॉग लेखक के पास लोगों से संवाद स्थापित करने के लिए बहुत-से विषय होने चाहिए। विपुल पठन, चिंतन तथा भाषा का समुचित ज्ञान होना आवश्यक है। भाषा सहज, प्रवाहमयी हो तो ही पाठक उसे पढ़ेगा। साथ ही लेखक के पास विषय से संबंधित संदर्भ, घटनाएँ और यादें हों तो ब्लॉग पठनीय होगा। जिस क्षेत्र या जिस विख्यात व्यक्ति के संदर्भ में आप लिख रहे हैं, उस व्यक्ति से आपका संबंध कैसे बना? किसी विशेष भेंट के दौरान उस व्यक्ति ने आपको कैसे प्रभावित किया? यदि वह व्यक्ति आपके निकटस्थ परिचितों में है तो उसकी सहृदयता, मानवता आदि से संबंधित कौन-सा पहलू आपकी स्मृतियों में रहा? ऐसे अनेक विषय हैं जिन्हें आप शब्दांकित कर अपने पाठकों का विश्वास प्राप्त कर सकते हैं।

(i) कृति पूर्ण कीजिए: (२)

ब्लॉग लेखक के लिए आवश्यक गुण-

(१) ____________

(२) ____________

(३) ____________

(४) ____________

(ii) निम्नलिखित शब्दों के प्रत्यय हटाकर गद्यांश में से मूल शब्द ढूँढ़कर लिखिए। (२)

(१) विपुलता - [ ]

(२) आवश्यकता - [ ]

(३) सहजता - [ ]

(४) विशेषता - [ ]

(iii) 'विज्ञापन' के विषय में अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए। (२)

(आ) निम्नलिखित में से किसी एक का उत्तर लगभग ८० से १०० शब्दों में लिखिए : (४)

(i) फीचर लेखन के सोपानों को स्पष्ट कीजिए।

(ii) पल्लवन की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

अथवा

सही विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखिए :

(१) विषय का विस्तार करना ________ है। (१)

(i) पल्लवन (ii) नाटक
(iii) कविता (iv) एकांकी

(२) स्नेहा ने ________ का कोर्स जॉइन किया। (१)

(i) अभिनय (ii) संगणक
(iii) पत्रकारिता (iv) अनुवाद

(३) मंचीय आयोजन में मंच पर आनेवाला पहला व्यक्ति ________ ही होता है। (१)

(i) श्रोता (ii) अध्यक्ष
(iii) अतिथि (iv) संचालक

(४) अधिकांश जीव जीवाणुओं द्वारा अथवा रासायनिक क्रिया द्वारा ________ उत्पन्न करते हैं। (१)

(i) गुण (ii) प्रकाश
(iii) अँधेरा (iv) रसायन

Scanned with OKEN Scanner

(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (६)

मेरे दफ्तर में चार चपरासी हैं। उनमें एक का नाम 'गरीब' है। वह बहुत ही सीधा, बड़ा आज्ञाकारी, अपने काम में चौकन्ना रहने वाला, घुड़कियाँ खाकर चुप रह जाने वाला, यथा नाम तथा गुणवाला मनुष्य है। मुझे इस दफ्तर में साल भर होता है, मगर मैंने उसे एक दिन के लिए भी गैरहाजिर नहीं पाया। मैं उसे ६ बजे दफ्तर में अपनी फटी दरी पर बैठे हुए देखने का ऐसा आदि हो गया हूँ कि मानो वह भी उसी इमारत का कोई अंग है। इतना सरल है कि किसी की बात टालना नहीं जानता। शेष तीनों कामचोर, गुस्ताख़ और आलसी हैं। कोई छोटा-सा काम करने को कहिए तो बिना नाक-भौं सिकोड़े नहीं करते। क्लर्कों को तो कुछ समझते ही नहीं। केवल बड़े बाबू से कुछ दबते हैं यद्यपि कभी-कभी उनसे झगड़ बैठते हैं। मगर इन सब दुर्गुणों के होते हुए भी दफ्तर में किसी की मिट्टी इतनी खराब नहीं है, जितनी बेचारे गरीब की। तरक्की का अवसर आता है, तो ये तीनों माल ले जाते हैं, गरीब को कोई पूछता भी नहीं।

(i) संजाल पूर्ण कीजिए : (२)

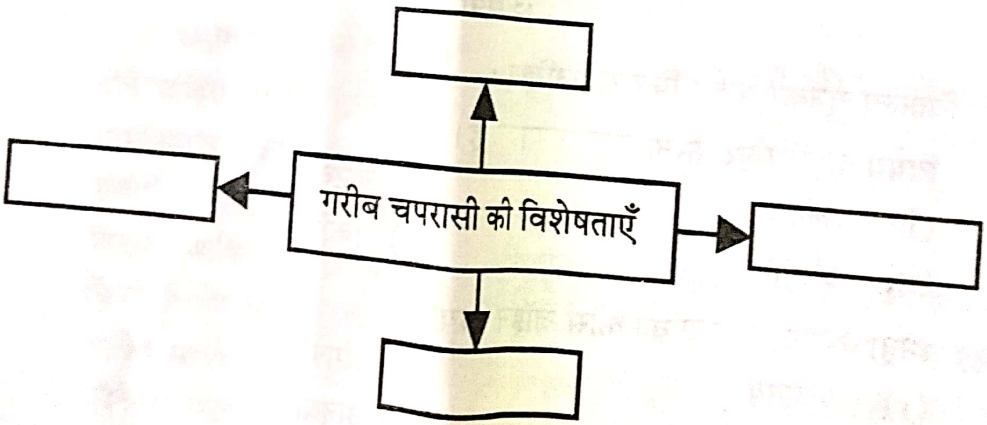

(ii) निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए : (२)

(१) चपरासी –

(२) मिट्टी –

(३) दफ्तर –

(४) इमारत –

(iii) 'जीवन में सद्गुणों का महत्त्व' इस विषय पर ४० से ५० शब्दों में अपने विचार लिखिए। (२)

Scanned with OKEN Scanner

Subject Code J-202 Seat No. | | | | | | | |

(ई) निम्नलिखित में से किन्हीं चार के पारिभाषिक शब्द लिखिए : (४)

(i) Judge —
(ii) Deduction —
(iii) Dead Account —
(iv) Transaction —
(v) Friction —
(vi) Meteorology —
(vii) Graphic Table —
(viii) Output —

विभाग - ५. व्याकरण (अंक-१०)

कृति ५ (अ) निम्नलिखित वाक्यों का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए (कोई दो): (२)

(i) मैं इसके परिणाम की प्रतीक्षा कर रही थी।
(सामान्य भविष्यकाल)

(ii) लोगों को बेवकूफ बनाना चाहता था।
(सामान्य वर्तमानकाल)

(iii) उसके तले सभ्यता फलती-फूलती थी।
(अपूर्ण वर्तमानकाल)

(iv) एक बार गाँव में अकाल पड़ा है।
(पूर्ण भूतकाल)

(आ) निम्नलिखित पंक्तियों में उद्धृत अलंकार पहचान कर उनके नाम लिखिए (कोई दो): (२)

(i) करत-करत अभ्यास के, जड़मति होत सुजान।
रसरी आवत जात है, सिल पर पड़त निसान।।

(ii) उधो, मेरा हृदयतल था एक उद्यान न्यारा।
शोभा देतीं अमित उसमें कल्पना-क्यारियाँ भी।।

(iii) राधा-वदन चंद सो सुंदर।

(iv) जान पड़ता है नेत्र देख बड़े-बड़े।
हीरकों में गोल नीलम हैं जड़े।।

Scanned with OKEN Scanner

(इ) निम्नलिखित पंक्तियों में उद्धृत रस पहचान कर उनके नाम लिखिए (कोई दो): (२)

(i) तू दयालु दीन हौं, तू दानि हौं भिखारि।
हौं प्रसिद्ध पातकी, तू पाप पुंजहारि।

(ii) सुडुक, सुडुक घाव से पिल्लू (मवाद) निकाल रहा है,
नासिका से श्वेत पदार्थ निकाल रहा है।

(iii) कहा– कैकयी ने सक्रोध
दूर हट! दूर हट! निर्बोध!
द्विजिव्हे रस में, विष मत घोल।

(iv) एक अचंभा देखा रे भाई।
ठाढ़ा सिंह चरावै गाई।
पहले पूत पाछे माई।
चेला के गुरु लागे पाई।।

(ई) निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए : (कोई दो): (२)

(i) जान बख्शना।

(ii) कान भरना।

(iii) सिर से पानी गुजर जाना।

(iv) आँखें बिछाना।

(उ) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए (कोई दो): (२)

(i) मेरा माँ बड़ि थी।

(ii) मुझे वह हथियार मील जाएगी।

(iii) अब गोर से सूनो।

(iv) जीवन की इन वीडंबनाओं पर घनघोर चोट करता हैं।

◆◆◆

Scanned with OKEN Scanner